कॉमरेड ए० के० राय के राजनीतिक विचार एवं झारखण्ड राज्य के निर्माण में उनकी भूमिका

शोध – प्रस्तावना

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद के
सामाजिक विज्ञान संकाय के
राजनीति विज्ञान विभाग में
पीएच०–डी० उपाधि हेतु समर्पित

शोधार्थी
गीता कुमारी

द्वारा
(पंजीयन सं० – ....)
विश्वविद्यालय राजनीति विज्ञान विभाग,
बिनोद बिहारी महतो कोयलाचंल विश्वविद्यालय, धनबाद

शोध पर्यवेक्षक
डॉ० सुमिता तिवारी
विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग एस०एस०एल०एन०टी० महिला महाविद्यालय,
धनबाद

मार्च, 2024

प्रस्तावना :–

राजनीतिक चिंतन के इतिहास में बहुत सारे विचारधाराओं का उत्थान हुआ है यदि वैश्विक स्तर पर मार्क्स एक नई विचारधारा के सूत्रधार है तो कॉमरेड ए० के० राय का भी आधुनिक भारतीय एवं झारखण्ड के राजनीतिक विचारधारा में महत्वपूर्ण स्थान है। झारखण्ड के स्तर पर वे वामपंथी राजनीति का दर्शन प्रस्तुत करते है और उसे झारखण्ड की धरातल पर उतारने का प्रयास करते है। मार्क्स के दर्शन को झारखण्डीयों के सम्मुख रखने के पूर्व कॉमरेड ए० के० राय उसमें मानवता एवं क्षेत्रीयता का प्रवेश कराते हैं यही इनका मार्क्सवादी में नवीकरण है।

ऐसी मर्क्सवादी विचार धारा का अनुसरण करके केमिकल इंजीनियर से राजनीतिक इंजीनियर तक का सफर तय किया। तीन बार विधायक और तीन बार सांसद रहे उनका राजनीतिक जीवन हमेशा संघर्षपूर्ण रहा। झारखण्ड राज्य निर्माण के लिए बिरसावाद को जगाने का काम उन्हीं का योगदान था। जिस प्रकार बिरसा मुण्डा के आंदोलन का संबंध जंगल एवं जमीन से था उसी प्रकार कॉमरेड ए० के० राय के आंदोलन का संबंध जमीन से जुड़ा था क्योंकि बहुत सारे कारखाने उनके जमीन पर बना दिए गए और उन लोगो का विस्थापन कर दिया गया, स्थायी नौकरी नहीं दी बल्कि उन्हें एक मजदूर के रुप में काम करवाया गया। इसलिए बिरसा के आदर्शों को लोगों तक पहुँचाने में इनका बहुत बड़ा योगदान रहा ।

कॉमरेड ए० के० राय (अरुण कुमार राय) का 15 जून 1935 में बांग्लादेश में जन्म हुआ।[1] सिंदरी कारखाना धनबाद में एक इंजीनियर के पद पर काम करने आऐ और यहीं के निवासी बन कर रह गये जब उन्होनें यहां के गरीब, शोषित, कोयला मजदूरों की पीड़ा को देखा, महसूस किया तब उन्होंने मार्क्सवादी विचारधारा को यहां के जनता के बीच लाने का प्रयास किया।[2] उनकी लड़ाई मजदूरों की लड़ाई बन गई। इस प्रकार कॉमरडे ए० के० राय एक मजदूर आंदोलनकारी बन गए। आदिवासी तथा गैर आदिवासी को मिलाकर एक नया पार्टी "झारखण्ड मुक्ति मोर्चा" का गठन करने में शिबू सोरेन, बिनोद बिहारी महतो के साथ मिलकर लाल झण्डा तथा हरा झण्डा का मैत्री किया। जिसका प्रमुख उद्देश्य था – अलग झारखण्ड राज्य की मांग, गैर आदिवासीयों के अत्याचार से मुक्ति एंव नौकरी में स्थानीय लोगों को अवसर देना। यही झारखण्ड आंदोलन का आधार बना।[3] भले ही वह आज हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनका समर्पण और परिश्रम को हमेशा हमें याद करने की जरुरत है। उनके विचारों को लोगों के बीच लाने की जरुरत है इसलिए मैंने अपने शोध का विषय "कॉमरेड ए० के० राय" के राजनीतिक विचार एवं झारखण्ड राज्य के निर्माण में उनकी भूमिका रखा गया हैं।

साहित्य समीक्षा :–

1. राय (1981), ***झारखण्ड और लालखण्ड*** पुस्तक में झारखण्ड के औद्योगिक क्षेत्र विशेषकर कॉलियरी इलाके में आदिवासी, गैर आदिवासी किसान मजदूरों के बीच काम करने के अनुभव को बताया है।[4]

2. महतो (2008), ***झारखण्ड आंदोलन के मसीहा बिनोद बिहारी महतो*** पुस्तक में उन्होंने बताया कि ए० के० राय झारखण्ड आंदोलन में न सिर्फ सामाजिक एंव क्षेत्रीयता के आधार पर इस मांग को आगे बढ़ाया बल्कि उसमें आर्थिक आधार को भी समावेशित किया।[5]

3. कुमार (2016), ***झारखण्ड आंदोलन का दस्तावेज (शोषण, संघर्ष और शहादत)*** पुस्तक में बताया है कि झारखण्ड को एक अलग राज्य बनाने के लिए कितने लोगों ने जुल्म झेले, मारे गए, कुर्बानी दी। उन सभी में से एक महत्वपूर्ण व्यक्ति कॉमरेड ए० के० राय भी थे।[6]

4. झा एवं कुंदन (2021), ***इंडियन कॉमरेड ए० के० राय (हीरो ऑफ ग्राउंड पॉलिटिक्स)*** पुस्तक में कॉमरेड ए० के० राय द्वारा झारखण्ड राज्य निर्माण के हर चरण को विस्तार से बताया गया है तथा उनके विचारों को सरल भाव से समझाया गया है।[7]

5. कश्यप (2021), ***कॉमरेड ए० के० राय समग्र*** पुस्तक में कॉमरेड ए० के० राय द्वारा लिखी सभी पुस्तकों को एक जगह एकत्र करने का प्रयास किया गया है। जिससे हमें उनके बारे में जानकारी प्राप्त करने में आसानी होगी।[8]

शोध समस्या :–

साहित्य समीक्षा से यह ज्ञात होता है कि झारखण्ड में मजदूरों की समस्या को देख कर कोई आंदोलनकारी राजनेता बना तो वह पहला व्यक्ति कॉमरेड ए० के० राय थे। लेकिन वर्तमान में देखें तो झारखण्ड के अन्य राजनेताओं के समान अब उनकी पहचान नहीं रही। उनके नाम पर ना कोई स्कूल, कॉलेज और ना ही कोई सड़क या स्मृति शेष बनें ताकि लोग उन्हे आसानी से पहचान सकें। उनके राजनीतिक सफर का साहित्य में भी वर्णन बहुत कम मिलता है। जिससे उनके जीवन संघर्ष राजनीतिक क्रांति में काम करने की सोच, अधिकारों की लड़ाई एवं उनके विचार आम नागरीकों के बीच से गायब हो चूका है। झारखण्ड राज्य निर्माण में कॉमरेड ए० के० राय के सहभागी आंदोलनकारियों का झारखण्ड की राजनीतिक विचारों में उत्थान हुआ परंतु इनका अस्तित्व विलुप्त होने को है।

शोध उद्देश्य :–

1. कॉमरेड ए० के० राय पर शोध कर उनके राजनीतिक विचारों पर प्रकाश डालना।
2. झारखण्ड राज्य के निमार्ण में कॉमरेड ए० के० राय की भूमिका को जानना।
3. कॉमरेड ए० के० राय पर शोध कर आदिवासियों खनन प्रभावित एवं अंतिम पायदान तक के लोगों को अपने अधिकार के प्रति जागरुक करना।
4. कॉमरेड ए० के० राय पर शोध कर झारखण्ड की सामाजिक विषमता पर प्रकाश डालना।

शोध परिकल्पना :–

1. कॉमरेड ए० के० राय का राजनीतिक विचार वर्तमान समय में प्रासंगिक है।
2. कॉमरेड ए० के० राय के राजनीतिक विचार झारखण्ड राज्य के निर्माण के लिए सकारात्मक है।
3. कॉमरेड ए० के० राय के विचार आदिवासियों खनन प्रभावित एवं अंतिम पायदान तक के लोगों को उनके अधिकार के प्रति जागरुक बनाया।
4. कॉमरेड ए० के० राय का राजनीतिक विचार एवं क्रियाकलाप सामाजिक विषमता के विरुद्ध था।

शोध प्रश्न :–

1. झारखण्ड का नए राज्य गठन के बाद कॉमरेड ए० के० राय की भूमिका, राजनीतिक विचार और योगदान को क्या उचित महत्व दिया जा रहा है ?

शोध प्रविधियाँ :–

इस शोध में कॉमरेड ए० के० राय के राजनीतिक विचार एवं झारखण्ड राज्य के निर्माण में उनकी भूमिका के अध्ययन में निम्न अध्ययन विधियों का सहारा लिया जाएगा। जैसे – ऐतिहासिक विधि, वर्णनात्मक विधि एवं विश्लेषणात्मक विधि।

शोध स्रोत :–

प्रस्तावित शोध कार्य को सफलता पूर्वक करने हेतु प्राथमिक एवं द्वितीय दोनो स्रोतों की आवश्यक्ता होगी।

- प्राथमिक स्रोत :– अनुसूची, अवलोकन, प्रश्नावली एवं साक्षात्कार।
- द्वितीय स्रोत :– समाचार पत्र – पत्रिकाएं, पुस्तकें, व्यक्तिगत शोधकर्ता के प्रकाशन, विषय सबंधित पुस्तकें, वेबसाइट लिंक आदि।

शोध का महत्व :–

कॉमरेड ए० के० राय पर इस शोध कार्य से हमें ज्ञात होगा कि एक आदर्श राजनीति कैसा होना चाहिए। इस शोध कार्य से मार्क्सवादी विचारधारा में नैतिक मूल्यों के महत्वों का उत्थान होगा। यह शोध झारखण्ड में उपस्थित भ्रष्टाचार एवं विषमताओं को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इनके विचार झारखण्ड वासियों के लिए वरदान साबित हुआ है और आगे भी होता रहेगा। उन्होने मार्क्सवादी विचारधारा को अपनाकर मजदूर वर्ग को संगठित करने के लिए दुनिया के मजदूर एक हो जाओ का नारा दिया, जिसका मजदूरों में बहुत महत्व हैं।

भविष्य के कार्य :–

कॉमरेड ए० के० राय के राजनीतिक विचार के विभिन्न आयामों पर शोध कार्य किया जा सकता है। जिससे भविष्य में शोधकर्ताओं को बहुत सहायता मिलेगी।

शोध सीमाएँ :–

1. कॉमरेड ए० के० राय से संबंधित साहित्य की उपलब्धता बहुत ही सीमित है।
2. कॉमरेड ए० के० राय के मूल रचनाओं की उपलब्धता भी सीमित है।
3. कॉमरेड ए० के० राय के समसामायिक सहयोगीयों की संख्या भी बहुत कम हो रही है।

अध्यायीकरण :–

- प्रस्तावना

अध्याय 1. कॉमरेड ए० के० राय का जीवन परिचय

अध्याय 2. कॉमरेड ए० के० राय का राजनीतिक सिद्दांत एवं विचारधारा

अध्याय 3. कॉमरेड ए० के० राय का सामाजिक योगदान

अध्याय 4. झारखंड राज्य निर्माण में कॉमरेड ए० के० राय की भूमिका

अध्याय 5. झारखंड राज्य निर्माण के बाद कॉमरडे ए० के० राय का अस्तित्व

- निष्कर्ष

सन्दर्भ सूची :–

1. राय, ए० के० (1981) झारखण्ड और लालखण्ड (प्रथम संस्करण), बिरसा एम. एम. सी. वी. अभिलाषा अपार्टमेन्ट –।। ए पुरुलिया रोड राँची – 824001
2. राय, ए० के० (1981) झारखण्ड और लालखण्ड (प्रथम संस्करण), बिरसा एम. एम. सी. वी. अभिलाषा अपार्टमेन्ट –।। ए पुरुलिया रोड राँची – 824001
3. कश्यप, अभिषेक (2021) कॉमरेड ए. के. राय समग्र, इंडिया टेलिंग, वास्तु बिहार कॉलोनी कोलाकुसमा, धनबाद झारखण्ड .– 826001
4. राय, ए० के० (1981) झारखण्ड और लालखण्ड (प्रथम संस्करण), बिरसा एम. एम. सी. वी. अभिलाषा अपार्टमेन्ट –।। ए पुरुलिया रोड राँची – 824001
5. महतो, राज किशोर (2017) झारखण्ड आंदोलन के मसिहा बिनोद बिहारी महतो, डायमण्ड पॉकेट बुक प्राइवेट लिमिटेड
6. सिंहा, अनुज कुमार (2016) झारखण्ड आंदोलन का दस्तावेज (शोषण, संघर्ष और शहादत), प्रभात प्रकाशन
7. शेखर, सचिन झा एवं कुन्दन के० आर० जे० (2021) इंडियन कॉमरेड ए० के० राय (हीरो ऑफ ग्राउण्ड पॉलीटिक्स) नवजागरण प्रकाशन मनीष मार्केट सेक्टर 11 द्वारका
8. कश्यप, अभिषेक (2021) कॉमरेड ए० के० राय समग्र, इंडिया टेलिंग, वास्तु बिहार कॉलोनी कोलाकुसमा, धनबाद झारखण्ड .– 826001

ग्रंथ सूची :–

1. लेनीन, वी०आई० (1918) राज्य और क्रांति (प्रथम संस्करण), गार्गी प्रकाशन
2. राय, ए० के० (1981) झारखण्ड और लालखण्ड (प्रथम संस्करण), बिरसा एम. एम. सी. वी. अभिलाषा अपार्टमेन्ट –।। ए पुरुलिया रोड राँची – 824001
3. राय, एम० एन० (2009 संस्करण) द फ्यूचर ऑफ इंडियन पॉलिटीक्स, बील्लियो लाइफ
4. राय, एम० एन० (2012 संस्करण), इंडिया इन ट्रांजिशन, हार्डप्रेश पब्लशींग
5. सिंहा, अनुज कुमार (2016) झारखण्ड आंदोलन का दस्तावेज (शोषण, संघर्ष और शहादत), प्रभात प्रकाशन
6. महतो, राज किशोर (2017) झारखण्ड आंदोलन के मसिहा बिनोद बिहारी महतो, डायमण्ड पॉकेट बुक प्राइवेट लिमिटेड
7. मर्क्स, कार्ल एवं फ्रेडरीक एंगेल्स (2017) द कम्यूनिष्ट मेनीफेस्टो, फींगरप्रींट पब्लीशींग
8. पाण्डेय, अशोक कुमार (2021) मार्क्सवाद के मूलभूत सिद्धांत, राजपाल एण्ड सन्स, www.rajpalpublishing.com
9. शेखर, सचिन झा एवं कुन्दन के० आर० जे० (2021) इंडियन कॉमरेड ए० के० राय (हीरो ऑफ ग्राउण्ड पॉलीटिक्स) नवजागरण प्रकाशन मनीष मार्केट सेक्टर 11 द्वारका
10. कश्यप, अभिषेक (2021) कॉमरेड ए० के० राय समग्र, इंडिया टेलिंग, वास्तु बिहार कॉलोनी कोलाकुसमा, धनबाद झारखण्ड .– 826001
11. मार्क्स, कार्ल (2023) संस्करण ए कंट्रिब्यूशन टू द क्रीटक ऑफ पॉलीटिकल इकोनॉमी, राहुल फाउंडेशन